संख्याः-845/XXVII (1)/2009

प्रेषक,

एल0एम0 पन्त,
सचिव, वित्त,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

समस्त जिलाधिकारी,
उत्तराखण्ड।

वित्त अनुभाग-1 देहरादून: दिनांक: 18 दिसम्बर 2009

विषयः-12वॉं वित्त आयोग की संस्तुतियों पर वर्ष 2009-10 के लिए समस्त क्षेत्र पंचायतों को प्रथम किश्त हेतु संक्रमित धनराशि का आवंटन।

महोदय,

उपरोक्त विषय के सम्बंध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि 12वॉं वित्त आयोग की संस्तुतियों के अनुक्रम में प्रदेश की समस्त क्षेत्र पंचायतों वित्तीय वर्ष 2009-10 की प्रथम किश्त हेतु कुल धनराशि रू0 48600000.00 (रू0 चार करोड़ छियासी लाख मात्र) को संलग्नानुसार को निम्नलिखित शर्तों के अधीन श्री राज्यपाल महोदय आवंटन की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

2- (1) संक्रमित धनराशि को वेतन एवं भत्ते आदि पर व्यय नहीं किया जा सकेगा।

(2) संक्रमित की जा रही धनराशि से क्षेत्र पंचायतें अन्तर ग्राम पंचायतीय पेयजल योजनाओं के अनुरक्षण पर व्यय करेंगी। प्रयोक्ता प्रभारों के रूप में आवर्ती लागत का सबसे व्यय का 50 प्रतिशत हिस्सा वसूल करना चाहिए।

(3) संक्रमित धनराशि से विकास सम्बंधी निर्माण कार्य कराए जा सकेंगे। 12वॉं वित्त आयोग ने अपेक्षा की है कि पंचायती राज संस्थाओं को इस धनराशि का उपयोग सेवाएं प्रदान करने हेतु किया जाना चाहिए, जैसे-जलापूर्ति तथा स्वच्छता। पंचायतों को स्वजलधारा कार्यक्रम के अन्तर्गत निर्मित जलापूर्ति परिसम्पत्तियों को अपने हाथ में लेकर उनका अनुरक्षण किया जाना चाहिए।

(4) क्षेत्र पंचायतों को संक्रमित की जाने वाली धनराशि कोषागार से आहरण हेतु बिल जिला पंचायत राज अधिकारी द्वारा तैयार किए जाएंगे तथा बिल जिलाधिकारी द्वारा प्रति हस्ताक्षरित किया जाएगा। जिला पंचायत राज अधिकारी सम्बन्धित क्षेत्र पंचायतों को संक्रमित धनराशि ट्रेजरी चैक/ बैंक ड्राफ्ट द्वारा सम्बन्धित क्षेत्र पंचायत को बिलम्बतम 15 दिनों में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगें।

(5) संक्रमित धनराशि का उपयोग 31 मार्च, 2010 तक किया जाना है। इसके बाद उपयोग अवधि बढ़ाने की अनुमति प्रदान नहीं की जायेगी।

(6) संक्रमित धनराशि का उपयोगिता प्रमाण-पत्र प्राप्त होने पर अगली किश्त अवमुक्त की जायेगी।

(7) निर्धारित विशिष्ट शर्तों का अनुपालन विभागीय अधिकारी/वित्त नियंत्रक/वरिष्ठ लेखा अधिकारी/सहायक लेखाधिकारी, जैसी भी स्थिति हो, सुनिश्चित करेगें। यदि निर्धारित शर्तों में कोई विचलन हो तो वित्त नियंत्रक इत्यादि का दायित्व होगा कि उनके द्वारा मामले की सूचना पूर्ण विवरण सहित तत्काल वित्त विभाग को दी जायेगी तथा वित्त विभाग की पूर्व अनुमति के बगैर कोई विचलन मान्य नहीं होगा। इस धनराशि का उपयोग प्रमाण-पत्र जिलाधिकारी द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित करा कर

वित्त विभाग को किये गये कार्य का विवरण संलग्न प्रारूप पर उपलब्ध कराया जायेगा और तभी अगली किस्त अवमुक्त की जायेगी।

(8) उपयोगिता प्रमाण–पत्र खण्ड विकास अधिकारी सम्बन्धित जिलाधिकारी के प्रति हस्ताक्षर कराकर जिला पंचायत राज अधिकारी के माध्यम से महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून, प्रमुख सचिव, वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन तथा सचिव, ग्राम्य विकास, उत्तराखण्ड शासन को प्रेषित करेंगे। प्रमाण–पत्र के साथ कराये गये कार्य का पूर्ण विवरण (कराये गये कार्य का नाम, व्यय की धनराशि सहित संलग्न प्रारूप पर) भी भेजना होगा।

(9) संकलित की जा रही धनराशि का व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2009–10 के आय–व्ययक की अनुदान संख्या–07 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 3604–स्थानीय निकाय तथा पंचायती राज संस्थाओं को क्षतिपूर्ति तथा समनुदेशन–आयोजनेत्तर–02–पंचायती राज संस्थायें–197–विकास खण्ड स्तरीय पंचायत–01–केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनायें–0102–बारहवाँ वित्त आयोग से प्राप्त अनुदान–20–सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के नामे डाला जायेगा।

संलग्नक:–यथोक्त।

भवदीय,

(एल0एम0 पन्त) 8/12/2009
सचिव, वित्त।

संख्या 844 /(XXVII (1)/2009, तद्दिनांक:–

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:–

1. सचिव, पंचायती राज, उत्तराखण्ड शासन।
2. आयुक्त गढ़वाल मण्डल/कुमाँऊ मण्डल, उत्तराखण्ड।
3. निदेशक, पंचायती राज, उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
5. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
6. निदेशक भारत सरकार, वित्त मंत्रालय व्यय विभाग, वित्त आयोग प्रभाग,ब्लाक 11, पंचम तल सी0जी0ओ0 कोम्पलेक्स मई दिल्ली।
7. समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी /कोषाधिकारी उत्तराखण्ड।
8. निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन।
9. एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर, देहरादून।

आज्ञा से,

(एल0एम0 पन्त) 8/12/2009
सचिव, वित्त।

शासनादेश संख्याः ६५५ /XXVII (1)/2009 दिनांकः 18 दिसम्बर,2009 का संलग्नक।

12वीं वित्त आयोग द्वारा संस्तुत अनुदान के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2009–10 हेतु देय अनुदान की प्रथम किस्त का संक्रमण।

जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	प्रथम किस्त (धनराशि रु0 में)
1	2	3
1–अल्मोड़ा	भैसियाछाना	166943
	भिकियासैंण	247562
	चौखुटिया	295521
	धौलादेवी	608625
	द्वाराहाट	363533
	हवालबाग	338401
	लमगड़ा	404216
	सल्ट	520360
	स्याल्दे	415978
	ताकुला	223969
	ताड़ीखेत	566641
योग:–		4153749
2–बागेश्वर	बागेश्वर	614695
	गरूड़	288173
	कपकोट	569067
योग:–		1471935
3–चमोली	दशोली	349739
	देवाल	275014
	गैरसैण	542169
	घाट	254233
	जोशीमठ	759216
	कर्णप्रयाग	464578
	नारायणबगड़	257214
	पोखरी	309467
	थराली	248610
	योग:–	3460240
4–चम्पावत	बाराकोट	155362

12वीं वित्त आयोग द्वारा संस्तुत अनुदान के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2009—10 हेतु देय अनुदान की प्रथम किश्त का संक्रमण।

	चम्पावत		623823
	लोहाघाट		201117
	पाटी		270900
योग:—			1251202
5—देहरादून	चकराता		509879
	डोईवाला		683486
	कालसी		523849
	रायपुर		700903
	सहसपुर		871581
	विकासनगर		693769
योग:—			3983467
6—हरिद्वार	बहादराबाद		1919192
	भगवानपुर		1011944
	खानपुर		311844
	लक्सर		613211
	नारसन		862385
	रूड़की		744081
योग:—			5462657
7—नैनीताल	बेतालघाट		305100
	भीमताल		243795
	धारी		152253
	हल्द्वानी		763193
	कोटाबाग		244961
	ओखलकाण्डा		400104
	रामगढ़		266125
	रामनगर		389949
योग:—			2765480
8—पौड़ी	बीरोंखाल		757404
	दुगड्डा		1498356
	द्वारीखाल		918100
	एकेश्वर		459572
	कल्जीखाल		589138
	खिर्सू		312665
	कोट		429546
	लैंसडाउन		595856
	नैनीडांडा		751323
	पाबो		608852

12वीं वित्त आयोग द्वारा संस्तुत अनुदान के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2009–10 हेतु देय अनुदान की प्रथम किश्त का संक्रमण।

	पौड़ी	378768
	पोखड़ा	305128
	रिखणीखाल	561364
	थलीसैण	1026141
	यमकेश्वर	929477
योग:–		10121690
9–पिथौरागढ़	बेरीनाग	480883
	धारचूला	695568
	डीडीहाट	194464
	गंगोलीहाट	576843
	कनालीछीना	269354
	मुनाकोट	284923
	मुनस्यारी	791802
	पिथौरागढ़	273978
योग:–		3567785
10–रूद्रप्रयाग	अगस्त्यमुनि	759307
	जखोली	375569
	ऊखीमठ	393870
योग:–		1528746
11–टिहरी गढ़वाल	भीलंगना	1292579
	चम्बा	349403
	देवप्रयाग	417220
	जाखणीधार	276170
	जौनपुर	567618
	कीर्तिनगर	258863
	नरेन्द्रनगर	311113
	प्रतापनगर	302951
	थौलधार	278382
योग:–		4054299
12–ऊधमसिंह नगर	बाजपुर	434534
	गदरपुर	358480
	जसपुर	407503
	काशीपुर	310800
	खटीमा	1055858
	रूद्रपुर	431761
	सितारगंज	1108926
योग:–		4107862

12वाँ वित्त आयोग द्वारा संस्तुत अनुदान के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2009–10 हेतु देय अनुदान की प्रथम किश्त का संकलन।

13–उत्तरकाशी	भटवाड़ी	
	धिन्धालीसौड़	499590
	डुण्डा	300026
	मोरी	347698
	नौगाँव	411111
	पुरोला	942379
योग :–		170114
महायोग :–		2670918
		48600000

(अड़तालीस करोड़ छियासी लाख मात्र)

(एल०एम० पन्त)
सचिव, वित्त।